

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 7827

Unique Paper Code : 62131115

GC

Name of the Paper : Sanskrit Literature

Name of the Course : B.A. (Prog.) Sanskrit Language—A

Semester : I

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

All questions are compulsory.

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं ।

भाग 'क'

(Part 'A')

1. (i) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

4+4=8

Translate the following :

(क) अस्ति भागीरथीतीरे पाटलिपुत्रनामधेयं नगरं, तत्र सर्वस्वामिगुणोपेतः सुदर्शनो नाम नरपतिरासीत् । स भूपतिरेकदा केनापि पाट्यमानं श्लोकद्वयं शुश्राव । पुत्राणामनधिगतशास्त्राणां नित्यमुन्मार्गगामिनां शास्त्रानुष्ठानेनोद्विग्नमनाः स राजा चिन्तयामास ।

P.T.O.

अथवा

उद्योगिनं पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः दैवेन देयमिति कापुरुषा वदन्ति ।

दैवं निहत्य कुरु पौरुषमात्मशक्त्या यत्ने कृते न सिध्यति कोऽत्र दोषः ?

- (ख) अस्ति गोदावरीनदीतीरे विशालः शाल्मलीतरुः, तत्र नानादिग्देशादागत्य रात्रौ पक्षिणो निवसन्ति । अथ कदाचिदावसन्नाया रात्रावस्ताचलचूडात्रलम्बिनी भगवति कुमुदिनीनायके चन्द्रमसि, लघुपतनकनामा वायसः प्रबुद्धः कृतान्तमिव द्वितीयमटन्तं व्याधमपश्यत्, तमवलोक्याचिन्तयत् ।

अथवा

स हि गगनविहारी कल्मषध्वंसकारी दशशतकरधरी ज्योतिषां मध्यचारी ।

विधुरपि विधियोगात् ग्रस्यते राहुणासौ लिखितमपि ललाटे प्रोज्झितुं कः समर्थः ?

- (ii) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

6

Explain the following :

- (क) अजरामरवत् प्राज्ञो विद्यामर्थञ्च चिन्तयेत् ।

गृहीत इव केशेषु मृत्युना धर्ममाचरीत् ॥

अथवा

यथा ह्येकेन चक्रेण न रथस्य गतिर्भवेत् ।

एवं पुरुषकारेण विना दैवं न सिध्यति ॥

- (ख) धनानि जीवितं चैव परार्थं प्राज्ञ उत्सृजेत् ।

सन्निमित्ते वरं त्यागो विनाशे नियते सति ॥

अथवा

सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः ।

अतीत्य हि गुणान्सर्वान्स्वभावो मूर्ध्नि वर्तते ॥

(iii) प्रश्न संख्या 1 के रेखाङ्कित किन्हीं पाँच क्रियापदों का परिचय दीजिए । 10

Introduce any *five* underlined words from question No. 1 by their verbal declensions.

भाग 'ख'

(Part 'B')

2. (क) निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए : 4

Translate the following :

परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।

वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

अथवा

कान्तावियोगः स्वजनापमानः ऋणस्य शेषं कुनृपस्य सेवा ।

दारिद्र्यभावो विषमा सभा च विनाग्निमेते प्रदहन्ति कायम् ॥

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन की व्याख्या कीजिए : 5+5+5=15

Explain any **three** of the following :

(i) लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता ।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात्तत्र संस्थितिम् ॥

(4)

(ii) यो ध्रुवाणि परित्यज्य ह्यध्रुवं परिषेवते ।

ध्रुवाणि तस्य नश्यन्ति ह्यध्रुवं नष्टमेव तत् ॥

(iii) कस्य दोषः कुले नास्ति व्याधिना को न पीडितः ।

व्यसनं केन न प्राप्तं कस्य सौख्यं निरन्तरम् ॥

(iv) दुर्जनस्य च सर्पस्य वरं सर्पो न दुर्जनः ।

सर्पो दशति कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे ॥

(v) प्रलये भिन्नमर्यादा भवन्ति किल सागराः ।

सागरा भेदमिच्छन्ति प्रलयेऽपि न साधवः ॥

(ग) प्रश्न संख्या 2 के रेखाङ्कित किन्हीं छः पदों का विभक्ति निर्देश कीजिए । 12

Introduce any six underlined words from Question No. 2 by their declensions.

3. (i) गद्य के विकास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए । 10

Write a descriptive essay on the development of Prose-texts.

अथवा

किन्हीं दो नीतिकाव्यों का विशद परिचय दीजिए ।

Give a descriptive introduction of any two Neetikavyas.

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर आलोचनात्मक लघु निबन्ध लिखिए : 10

Write critically short essay on any *two* of the following :

(क) अम्बिकादत्त व्यास

(ख) हितोपदेश की कथा-शैली

(ग) नीतिशतकम्

(घ) सुबन्धु ।